MRA Fin LINUS The Gazette of India

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

ਜਂ. 505] No. 505) नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 19, 2008/भाद्र 28, 1930

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 19, 2008/BHADRA 28, 1930

नागर विमानन पंत्रालय अधिसुचना

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2008

सा.का.कि 660(अ).—चूँकि वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 की अपेक्षानुसार भारत के राजपत्र के भाग-II, खंड-3, के उप-खंड (i) में दिनांक 2 जून, 2008 को भारत सरकार, नागर विमानन मंत्रालय की दिनांक 27 मई, 2008 की सा.का.नि. 418(अ) की अधिसूचना के साथ प्रकाशित वायुयान (संशोधन) नियमायली, 2008 के प्रारूप द्वारा ऐसे सभी व्यक्तियों जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, उनसे आक्षेप और सुझाव आमंत्रित करते हुए राजपत्र में जिस तारीख से उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, उससे तीस दिन की अवधि की समाप्ति से पूर्व इसकी प्रतियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करा दी गई थीं।

और चूँकि उक्त अधिसूचना की प्रतियां, दिनांक 2 जून, 2008 को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करा दी गई थीं।

और चूकि उक्त प्रारूप नियमावली पर कोई भी आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वायुवान नियमावली, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नासिखित नियम बनाती है अर्थात:-

- संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रयोजन.—(1) इन नियमों को वायुयान (संशोधन) नियम, 2008 कहा जाएगा।
- (2) ये सरकारी राजकत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रमानी होंगे।
- वायुवान नियमायली, 1937 में नियम 28क में, उप-नियम
 के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक ऑत:स्थापित किया जाएग। नामशः :—

"बशतें कि उप-नियम (2) के प्रावधान, उन वायुमानों पर लागू नहीं होंगे को भारत क्षेत्र के अंदर व्याणिज्यिक विमान परिवहन प्रचालन में लगे हों, एकल पायलट प्रचालनों के लिए प्रमाणित हों तथा जिनका सकल पार 5700 कि. ग्रा. से अधिक न हो और जो बहुकर्मीदल वातावरण में प्रचालित किए जा रहे हों।"

> [फा. सं. ए.वी. | 1012/10/2005-ए] आर. के. सिंह, संयुक्त सचिव

टिप्पण :— मूल नियम भारत के राजपत्र में आंधसूचक संख्या वी-26, दिनांक 23 मार्च, 1937 द्वारा प्रकाशित किए थे और ऑतम संशोधन दिनांक को भारत के राजपत्र के भाग II, खंड (3), उप-खंड (i) में प्रकाशित किया गया।

MINISTRY OF CIVIL AVIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 5th September, 2008

G.S.R. 660(E).—Whereas the draft rules of Aircraft (Amendment) Rules, 2008 were published as required by Section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934) in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated 2nd June, 2008 vide notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation number G.S.R. 418(E), dated the 27th May, 2008 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to the public;

And whereas, copies of the said Gazette of India were made available to the public on 2nd June, 2008.

And whereas, no objections or suggestions have been received on the said draft rules;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 5 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely :—

- 1. Short title, extent and application,—(1) These rules may be called the Aircraft (Amendment) Rules, 2008.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- In the Aircraft Rules, 1937, in rule 28A, after subrule (2) following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided that the provisions of sub-rule (2) shall not apply in respect of aircraft certified for single pilot operations and not exceeding an all up weight of 5700 kilograms engaged in commercial air transport operations within the territory of India and white operating in a multi-crew environment."

(F. No. AV. †1012/10/2005-AJ R. K. SINGTL Jr. Secy.

Note:—The principal rules were published vide notification V-26, dated the 25rd March, 1937 and last amended vide number G.S.R. dated the published in Part II, Section 3 sub-section (i) of the Gazette of India